College of Arts, Science & Commerce

SIES

RISE WITH EDUCATION

NAAC REACCREDITED "A" GRADE, CGPA 3.51/4.00

(AUTONOMOUS)

(Affiliated to University of Mumbai)

Faculty:Arts

Programme: Bachelor of Arts (B.A.)

(Three years integrated degree programme)

Subject: Hindi

Choice Based Credit System (CBCS)

SIES College of Arts, Science and Commerce (Autonomous)

Sion (W), Mumbai – 400022

Faculty: Arts

Programme: B.A.

Subject : Hindi

Academic Year : 2023-24

TYBA

(CBCS syllabi approved by the Board of Studies in Hindi to be brought into effect from June 2023-24)

Members of the Hindi Board of Studies

Sr. No.		NAME
1	Chairman	डॉ .दिनेश पाठक,अध्यक्ष,हिन्दी विभाग
2	Faculty Representatives	डॉ .शैलेशकुमार दुबे , सहायक आचार्य , हिन्दी विभाग
3	Subject Experts from outside Parent University	1-डॉ .सुनीता साखरे, आचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, एस .एन .डी .टी .महिला विश्वविद्यालय, मुंबई 2- डॉ .उषा मिश्रा, आचार्य, हिन्दी विभाग, एम .एम .पी .शाह महिला महाविद्यालय, मुंबई
4	Vice-Chancellor's Nominee	डॉ .अनिल सिंह , अध्यक्ष कला संकाय मुंबई विश्वविद्यालय एवं प्राचार्य, एस .बी . महाविद्यालय , शहापुर ठाणे
5	Industry Representative	श्री नवेन्दु वाजपेयी, उप महाप्रबंधक - राजभाषा, भारतीय निर्यात-आयात बैंक , मुंबई
6	Post graduate Meritorious Alumnus	श्री अशोक गुप्ता, सहायक आचार्य , हिन्दी विभाग, आर .जे .कॉलेज, मुंबई
7	Experts from outside the college	**1-** डॉ .सतीश पाण्डेय, डीन, आधुनिक भारतीय एवं विदेशी भाषा संकाय, सोमैया विश्वविद्यालय, मुंबई 2- डॉ .मिथिलेश शर्मा, अध्यक्ष एवं सह-आचार्य , हिन्दी विभाग, आर .जे .कॉलेज, मुंबई

T.Y.B.A. Semester V

Title of the paper: History of Hindi Literature

Paper Code: SIUAHIN51

Number of Credits: 04

Total No. of Lectures: 60

शिक्षण उद्देश्य -

1-हिन्दी साहित्य के इतिहास व काल विभाजन से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

2-हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

3-हिन्दी के पद्य व गद्य साहित्य के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना।

4-आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा का विकास।

अधिगम निष्पत्ति –

1-विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास व काल विभाजन से अवगत होंगे ।

2- विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।

3- विद्यार्थी हिन्दी के पद्य व गद्य साहित्य के क्रमिक विकास को समझकर उनका विश्लेषण कर सकेंगे।

4- विद्यार्थियों में आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा पद्धतियों का बोध पैदा होगा।

Module – 1 – व्याख्यान - 15

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : नामकरण एवं काल-विभाजन की समस्या

2. आदिकाल

क आदिकालीन हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि

ख सिद्ध, नाथ, जैन और रासो साहित्य की सामान्य विशेषताएँ

Module – 2 - व्याख्यान – 15

1-भक्तिकाल

क)भक्तिकालीन हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि

ख)संत काव्य, सूफी काव्य की सामान्य विशेषताएँ

Module – 3 - व्याख्यान – 15

क) राम भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ

ख) कृष्ण भक्ति काव्य की सामान्य विशेषताएँ .

Module – 4 - व्याख्यान – 15

1- रीतिकाल

क) रीतिकालीन हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि

ख) रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्य की सामान्य विशेषताएँ ।

प्रश्न पत्र I – प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न 1 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित	अंक -15
प्रश्न 2 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित	अंक –15
प्रश्न 3 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित	अंक –15
प्रश्न 4 – टिप्पणियाँ आंतरिक विकल्प सहित	अंक –15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प - 20

* लिखित प्रस्तुतीकरण -10

* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. रामचंद्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास- चौदहवाँ संस्करण-नागरी प्रचारिणी सभा काशी
2. डॉ. नगेन्द्र (सं) : हिन्दी साहित्य का इतिहास -प्रथम आवृति – मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, नई दिल्ली-201301
3- डॉ. विजयेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास –प्रथम संस्करण-साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
4-डॉ. रामकुमार वर्मा – हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- तृतीय संस्करण – रामनरायणलाल बेनीमाधव प्रकाशन, इलाहाबाद
5- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य व संवेदना का विकास - प्रथम संस्करण-लोकभारती प्रकाशन.
6-योगेंद्र प्रताप सिंह –हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ – तृतीय संस्करण – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

T.Y.B.A. Semester V

Title of the paper: Post Independent Hindi Literature

Paper Code: SIUAHIN52

Number of Credits: 04

Total No. of Lectures: 60

शिक्षण उद्देश्य -

1- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास व उसके कथ्य से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास में भूमंडलीकरण के विविध रूपों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3- हिन्दी साहित्य में नाटकों के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना तथा नाटको के माध्यम से आधुनिक जीवन की समस्याओं पर विचार करना।
4-आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा का विकास।

अधिगम निष्पत्ति –

1- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास व उसके कथ्य से विद्यार्थी अवगत होंगे।
2- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी उपन्यास में भूमंडलीकरण के विविध रूपों को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
3- हिन्दी नाटकों के विकास एवं वैविध्य को विद्यार्थी समझ सकेंगे।
4- हिन्दी नाटकों के तत्त्वों को समझकर विद्यार्थी उनका विश्लेषण कर सकेंगे ।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक :

1. **उपन्यास – एक ब्रेक के बाद – अलका सरावगी**

प्रथम संस्करण – 2010, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. , 1-बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नयी दिल्ली -110002

Module -1- व्याख्यान -15

स्पष्टीकरण व चर्चा

उपन्यास की पृष्ठभूमि, कथानक, चरित्र, देशकाल एवं वातावरण पर चर्चा एवं विश्लेषण

Module -2- व्याख्यान -15

स्पष्टीकरण व चर्चा

उपन्यास में संवाद योजना, भाषा व शैली, संवाद में नए प्रयोग तथा संदेश पर चर्चा एवं विश्लेषण

2-नाटक - एक और द्रोणाचार्य – शंकर शेष – छात्र संस्करण-2023, परमेश्वरी प्रकाशन, बी-109, प्रीत विहार, दिल्ली -110092

. Module -3- व्याख्यान -15

स्पष्टीकरण व चर्चा

नाटक की पृष्ठभूमि एवं कथानक, चरित्र, देशकाल एवं वातावरण पर चर्चा एवं विश्लेषण

Module -4- व्याख्यान -15

स्पष्टीकरण व चर्चा

संवाद योजना, भाषा-शिल्प व नए प्रयोगों तथा संदेश को लेकर विश्लेषण व चर्चा

प्रश्न पत्र II – प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न 1 – संदर्भ सहित व्याख्या (दोनों पुस्तकों से आंतरिक विकल्प सहित) अंक -15

प्रश्न 2 – दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक ब्रेक के बाद से आंतरिक विकल्प सहित) अंक –15

प्रश्न 3 – दीर्घोत्तरी प्रश्न (आठवाँ सर्ग से आंतरिक विकल्प सहित) अंक –15

प्रश्न 4 – टिप्पणियाँ (दोनों पुस्तकों से आंतरिक विकल्प सहित) अंक –15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प - 20

* लिखित प्रस्तुतीकरण -10
* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1-21वीं शती का हिन्दी उपन्यास –(आलोचना) - डॉ. पुष्पपाल सिंह-पहला संस्करण -2015 –राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

2-भूमंडलीकरण और हिन्दी उपन्यास- डॉ. पुष्पपाल सिंह-पहला संस्करण -2015 –राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002 3-

3- हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी - संस्करण - 2005 –राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

4-हिन्दी का गद्य साहित्य – रामचन्द्र तिवारी - संस्करण-2016–विश्वविद्यालय प्रकाशन – वाराणसी - 221001.

5– समीक्षा और साहित्य की विधाएँ – डॉ. हरिमोहन- संस्करण-2007 -सरिता बुक्स हाउस, दिल्ली -110002.

6-साहित्य के रूप – राजमणि शर्मा - संस्करण-2008– ठाकुर प्रसाद संस – वाराणसी - 221001.

7- साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार - डॉ. हरिमोहन- संस्करण-2007-वाणी प्रकशन-21-A–दरियागंज, नई दिल्ली - 110002.

8-हिन्दी समस्या नाटक –डॉ. मांधाता ओझा –प्रथम संस्कारण -1968 – नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

9- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी नाटक समस्या एवं समाधान - प्रथम संस्कारण -1986 – नीलम प्रकाशन, इलाहाबाद

T.Y.B.A. Semester V

Title of the paper: Information Technology in Hindi

Paper Code: SIUAHIN53

Number of Credits: 3.5

Total No. of Lectures: 45

शिक्षण उद्देश्य -

1- सूचना प्रौद्योगिकी के विकास व हिन्दी में उसके उपयोग से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2- कंप्यूटर पर हिन्दी में कामकाज से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3- संचार माध्यम और रोज़गार की संभावनाओं को स्पष्ट करना।
4- सोशल मीडिया और बदलते हुए भारतीय परिवेश की समझ का विकास करना।

अधिगम निष्पत्ति –

1- सूचना प्रौद्योगिकी के विकास व हिन्दी में उसके उपयोग से विद्यार्थी अवगत होंगे।
2- विद्यार्थी कंप्यूटर पर हिन्दी में कामकाज कर सकेंगे।
3- विद्यार्थी संचार माध्यम और हिन्दी से जुड़ी रोज़गार की संभावनाओं को जान सकेंगे।
4- विद्यार्थी में सोशल मीडिया और बदलते हुए भारतीय परिवेश की समझ विकसित होगी।
5- विद्यार्थी सोशल मीडिया के सकारात्मक व नकारात्मक पक्ष का विश्लेषण कर सकेगा।

सूचना प्रौद्योगिकी और हिन्दी

Module 1- व्याख्यान-15

1. सूचना प्रौद्योगिकी अर्थ, परिभाषा और स्वरूप

2. कंप्यूटर पर हिन्दी में कामकाज (हिन्दी फॉन्ट, फॉन्ट परिवर्तक , हिन्दी टाइपिंग टूल, कम्प्यूटर आधारित अनुवाद, कंप्यूटर आधारित हिन्दी के सॉफ्टवेयर्स यूनिकोड व अन्य का परिचय)

Module 2- व्याख्यान-10 – डिजिटल मीडिया और हिन्दी

1. इन्टरनेट और हिन्दी (हिन्दी में ईमेल, नेट पर हिन्दी विज्ञापन, नेट पर हिन्दी समाचार चैनल, हिन्दी ई-शब्दकोश, हिन्दी की साहित्यिक ई-पत्रिकाएँ, गैर साहित्यिक हिन्दी की वेबसाइट)

Module 3- व्याख्यान-10

1-संचार माध्यमों में प्रयुक्त हिन्दी का स्वरूप तथा उससे जुड़े कौशल

2-भारत में डिज़िटलाइज़ेशन

3-संचार माध्यम और रोज़गार की संभावनाएँ

Module 4- व्याख्यान-10

1. सूचना प्रौद्योगिकी का जीवन पर प्रभाव - सकारात्मक और नकारात्मक

2. सूचना प्रौद्योगिकी व हिंदी भाषा, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और वैश्विक प्रसार तथा प्रयोग

3. सूचना प्रौद्योगिकी : समस्याएँ , सीमाएँ और चुनौतियाँ

प्रश्न पत्र III - प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न -1-विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न -अंक -15
प्रश्न -2- विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न -अंक -15
प्रश्न-3- विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न -अंक -15
प्रश्न-4- टिप्पणियाँ विकल्प सहित -अंक -15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1- कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प - 20
* लिखित प्रस्तुतीकरण -10
* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. आधुनिक जनसंचार और हिन्दी – हरिमोहन – पहला संस्करण - 2006 – तक्षशिला प्रकाशन 98–ए, हिन्दी पार्क, दरियागंज, दिल्ली-110002.

2. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग – विजय कुमार मल्होत्रा - पहला संस्करण- 2004-वाणी प्रकशन- 21-A–दरियागंज, नई दिल्ली -110002.

3–सूचना प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटर और अनुसंधान – प्रो. हरिमोहन - पहला संस्करण - 2011– तक्षशिला प्रकाशन 98–ए, हिन्दी पार्क, दरियागंज, दिल्ली-110002.

4– कंप्यूटर और हिन्दी - प्रो. हरिमोहन - पहला संस्करण - 2016– तक्षशिला प्रकाशन 98–ए, हिन्दी पार्क, दरियागंज, दिल्ली-110002.

5- हिन्दी कंप्यूटिंग – डॉ. त्रिभुवननाथ शुक्ल – पहला संस्करण – 2005 – विकास प्रकाशन, 311 सी. विश्व बैंक, कानपुर -208027.

6-जनसंचार और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी - पहला संस्करण – 2004 –लालजी मार्केट, माया प्रेस रोड, 258/365, मुट्ठीगंज, इलाहाबाद -3.

7- जनसंचार – दृश्य- परिदृश्य – पृथ्वीनाथ पाण्डेय - पहला संस्करण – 1995- उमेश प्रकाशन, लुकरगंज, इलाहाबाद -3.

8–संचार, सूचना, कंप्यूटर और प्रयोजनमूलक हिन्दी जगत – डॉ. सुं. नागलक्ष्मी - पहला संस्करण – 2012– जवाहर पुस्तकालय, हिन्दी पुस्तक प्रकाशक एवं वितरक, मथुरा (उ. प्र.)-281001.

T.Y.B.A. Semester V

Title of the paper: Hindi Criticism, Prosody and Rhetorics

Paper Code: SIUAHIN54

Number of Credits: 04

Total No. of Lectures: 60

शिक्षण उद्देश्य -

1-साहित्य की परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, हेतु व प्रयोजनों को स्पष्ट करना।

2-कला व साहित्य के अंतर व सम्बन्धों पर प्रकाश डालना।

3-काव्य के विविध रूपों को स्पष्ट करना।

4-शब्दशक्ति, रस के विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट करना।

5-छंद व अलंकारों को स्पष्ट करना।

6-गद्य साहित्य के तत्त्वों पर प्रकाश डालना।

7-काव्य शास्त्रीय साधनों के आधार पर रचनात्मकता को बढ़ावा देना।

अधिगम निष्पत्ति –

1-विद्यार्थी साहित्य की परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, हेतु व प्रयोजनों को समझ सकेंगे।

2- विद्यार्थी कला व साहित्य के अंतर व सम्बन्धों का विश्लेषण कर सकेंगे।

3- विद्यार्थी काव्य के विविध रूपों में अंतर कर सकेंगे।

4- विद्यार्थी शब्दशक्ति के भेदों व उसके उपभेदों को समझ सकेंगे।

5- विद्यार्थी रस के विभिन्न पहलुओं को समझकर जीवन में उनका उपयोग कर सकेंगे।

6-विद्यार्थी छंद व अलंकार के भेदों को समझकर उनका प्रयोग कर सकेंगे।

7-विद्यार्थी गद्य साहित्य के तत्त्वों से परिचित होंगे।

8-विद्यार्थी काव्य शास्त्रीय साधनों के आधार पर रचनाएँ कर सकेंगे।

Module – 1 – व्याख्यान – 15

1. साहित्य :
   (क) साहित्य की परिभाषा (भारतीय और पाश्चात्य) और स्वरूप
   (ख) साहित्य के तत्व
   (ग) साहित्य के हेतु
   (घ) साहित्य के प्रयोजन (केवल भारतीय)

Module – 2 – व्याख्यान – 15

1-कला : (क) परिभाषा और वर्गीकरण
(ख) कला का साहित्य के साथ संबंध

Module – 3 – व्याख्यान – 15

1-काव्य के रूप : महाकाव्य, खंडकाव्य, मुक्तक काव्य और गीति काव्य के तत्त्व व विशेषताएँ .

Module – 4 – व्याख्यान – 15

1- छंद : छंदों के लक्षण तथा उनका सामान्य परिचय

(1) मात्रिक छंद : 1) दोहा 2) चौपाई 3)सवैया 4) रोला 5) हरिगीतिका .

(2) वर्णिक छंद : 1) इंद्रवज्रा 2) शार्दुलविक्रीड़ित 3) भुजंगप्रयात 4) द्रुतविलम्बित 5) कवित्त .

प्रश्न पत्र IV – प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न 1 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक -15

प्रश्न 2 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक –15

प्रश्न 3 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक –15

प्रश्न 4 –छंदों का सोदाहरण परिचय (चार में से कोई दो) । अंक –15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प - 20

* लिखित प्रस्तुतीकरण -10

* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1- साहित्य सहचर – हजारी प्रसाद द्विवेदी – द्वितीय संस्करण – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

2- भारतीय साहित्य शास्त्र – आचार्य बलदेव उपाध्याय – प्रथम संस्करण –नंदकिशोर एंड संस प्रा. लि. वाराणसी.

3-समीक्षा लोक –प्रा. भागीरथ दीक्षित –प्रथम संस्करण- समुदय प्रकाशन, मुम्बई.

4-भारतीय साहित्य शास्त्र – गणेश त्रयंब्क देशपांडे - प्रथम संस्करण- पॉपुलर प्रकाशन, मुम्बई

5-काव्य प्रदीप – रामबहोरी शुक्ल- 42 वां संस्करण- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

T.Y.B.A. Semester V

Title of the paper: Linguistics, Hindi Language and Grammar

Paper Code: SIUAHIN55

Number of Credits: 04

Total No. of Lectures: 60

शिक्षण उद्देश्य -

1-भाषा विज्ञान व उसके विविध अंगों को स्पष्ट करना।

2भाषा में परिवर्तन के विविध रूपों को स्पष्ट करना।

3-हिन्दी वर्ण विचार को स्पष्ट करना।

4-भाषा विज्ञान व व्याकरण की संकल्पनाओं का दैनंदिन जीवन में प्रयोग हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करना।

अधिगम निष्पत्ति –

1-विद्यार्थी भाषा विज्ञान व उसके विविध अंगों को समझ सकेंगे।

2- विद्यार्थी भाषा परिवर्तन के कारणों व उसके विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।

3-विद्यार्थी हिन्दी वर्ण विचार व उसके अलग अलग पक्षों को समझ सकेंगे।

4-विद्यार्थी स्वर और व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण कर सकेंगे।

5- विद्यार्थी भाषा विज्ञान व व्याकरण के नियमों का दैनंदिन जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

Module – 1 – व्याख्यान – 15

(1) भाषा विज्ञान

1. भाषा की परिभाषा एवं उसकी विशेषाताएँ
2. भाषा के विविध रूप (बोली, भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा और संपर्क भाषा)

Module – 2 – व्याख्यान – 15

1-भाषा परिवर्तन के प्रमुख कारण

2-भाषा विज्ञान की परिभाषा और उपयोगिता

3- भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाएँ : (वाक्य विज्ञान, रूप विज्ञान, ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान तथा अर्थ विज्ञान)

Module – 3– व्याख्यान – 15

(2) हिन्दी व्याकरण :

1. वर्ण विचार : उच्चारण की दृष्टि से हिन्दी ध्वनियों का वर्गीकरण
2. कारक के भेद एवं उनकी विभक्तियाँ

Module – 4 – व्याख्यान - 15

1-शब्दसाधन (रूपांतर)

(1) संज्ञा के रूपांतर के आधार

(2) सर्वनाम की कारक रचना

(3) विशेषण के रूपांतर के आधार

(4) क्रिया में रूपांतर के आधार (वाच्य, काल पुरुष, लिंग और वचन)

प्रश्न पत्र V – प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न 1 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक -15

प्रश्न 2 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक –15

प्रश्न 3 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक –15

प्रश्न 4 – टिप्पणियाँ आंतरिक विकल्प सहित अंक –15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प - 20

* लिखित प्रस्तुतीकरण -10

* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1- भाषाविज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी – प्रथम संस्करण- शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली.

2-भाषा शास्त्र की रूप रेखा – डॉ. उदय नारायण तिवारी - प्रथम संस्करण-भारती भंडार, इलाहाबाद.

3-भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – डॉ. कपिल देव द्विवेदी – 14 वां संस्करण-विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.

4-तुलनात्मक भाषाविज्ञान- पी डी गुणे (अनुवाद - डॉ. भोलानाथ तिवारी) -प्रथम संस्करण –मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.

5-हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु – नया संस्करण, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी.

<u>T.Y.B.A. Semester V</u>

Title of the paper: Ideological Background of Modern Hindi Literature

Paper Code: SIUAHIN56

Number of Credits: 3.5

Total No. of Lectures: 45

शिक्षण उद्देश्य -

1- आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट करना।

2- आर्य समाज के सामाजिक दार्शनिक सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को उस मार्ग पर चलने के लिए मार्गदर्शन देना।

3- मार्क्सवाद, दलित चेतना एवं मनोविश्लेषणवाद के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूकता लाना।

4- राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिन्दी पत्र पत्रिकाओं के योगदान से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

अधिगम निष्पत्ति –

1- विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित होगा।

2- विद्यार्थी ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकल सोसाइटी, सत्यशोधक समाज व आर्य समाज के सामाजिक- दार्शनिक सिद्धान्त को समझकर अपने जीवन में उनका प्रयोग कर सकेगा।

3- विद्यार्थी मार्क्सवाद, दलित चेतना एवं मनोविश्लेषणवाद के मूलभूत सिद्धांतों को समझकर उनका अपने जीवन में प्रयोग कर सकेगा।

4- विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिन्दी पत्र पत्रिकाओं के योगदान से परिचित होगा।

Module – 1 – व्याख्यान – 15

1-भारतीय नव जागरण आंदोलन और हिन्दी साहित्य पर उसका प्रभाव
(सामाजिक दृष्टि से होनेवाले वैचारिक एवं व्यावहारिक बदलाव के विशेष संदर्भ में)

अ-भारतीय नव जागरण आंदोलन

(ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकल सोसाइटी, सत्यशोधक समाज का सामान्य परिचय एवं मान्यताएँ)

आ-आर्य समाज के सामाजिक दार्शनिक सिद्धान्त एवं हिन्दी कविता और उपन्यास पर उसका प्रभाव

Module – 2 – व्याख्यान – 10

1-गांधीवादी चिंतन का हिन्दी कविता और उपन्यास पर प्रभाव

Module – 3– व्याख्यान - 10

1-मार्क्सवाद व उसका हिन्दी कविता और कथा साहित्य पर प्रभाव

Module – 4– व्याख्यान - 10

1-राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिन्दी पत्र पत्रिकाओं का योगदान –

(हरिश्चंद्र मैगजीन, हिंदुस्तान, हिन्दी प्रदीप, सरस्वती, स्वराज, कर्मवीर, चाँद और मतवाला के विशेष संदर्भ में)

प्रश्न पत्र VI के प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न -1-विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न - अंक -15

प्रश्न -2- विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न - अंक -15

प्रश्न-3- विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न - अंक -15

प्रश्न-4- टिपप्पणियाँ विकल्प सहित - अंक -15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प - 20

* लिखित प्रस्तुतीकरण -10
* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1- हिन्दी साहित्य में प्रतिबिम्बित चिंतन प्रवाह- सुधाकर गोकाकर और गो. रा. कुलकर्णी - पहला संस्करण -1976–फड़के बूक सेलर्स, कोल्हापुर – 416012

2-आधुनिक भारत - सुमित सरकार - पहला संस्करण -1992 –राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

3-गुलामगिरी– ज्योतिराव फुले- पहला संस्करण -2017 - वाणी प्रकशन-21-A–दरियागंज, नई दिल्ली -110002.

4-मार्क्सवाद – यशपाल - पहला संस्करण - 2017 –लोकभारती प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

5-हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र - संस्करण -2011 –भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली-110003.

6-भारतीय पत्रकारिता कोश- विजय दत्त श्रीधर- संस्करण-2008-वाणी प्रकशन-21-A–दरियागंज, नई दिल्ली -110002.

T.Y.B.A. Semester VI

Title of the paper: History of Hindi Literature

Paper Code: SIUAHIN61

Number of Credits: 04

Total No. of Lectures: 60

शिक्षण उद्देश्य -

1-हिन्दी साहित्य के इतिहास व काल विभाजन से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

2-हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

3-हिन्दी के पद्य व गद्य साहित्य के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना।

4-आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा का विकास।

अधिगम निष्पत्ति –

1-विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के इतिहास व काल विभाजन से अवगत होंगे ।

2- विद्यार्थी हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालों की पृष्ठभूमि व प्रवृत्तियों से अवगत होंगे।

3- विद्यार्थी हिन्दी के पद्य व गद्य साहित्य के क्रमिक विकास को समझकर उनका विश्लेषण कर सकेंगे।

4- विद्यार्थियों में आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा पद्धतियों का बोध पैदा होगा।

Module – 1-व्याख्यान -15

आधुनिक हिन्दी पद्य साहित्य का विकास एवं विशेषताएँ :

1) भारतेंदु युग
2) द्विवेदी युग
3) छायावाद
4) राष्ट्रीय सांस्कृतिक काव्यधारा

Module – 2 –व्याख्यान -15

आधुनिक हिन्दी पद्य साहित्य का विकास एवं विशेषताएँ :

क) प्रगतिवाद
ख) प्रयोगवाद
ग) नई कविता
घ)साठोत्तरी कविता
च)समकालीन कविता

Module -3 –व्याख्यान-15

हिन्दी गद्य साहित्य का विकास एवं विशेषताएँ

क) कहानी
ख) उपन्यास

Module -4- व्याख्यान-15

हिन्दी गद्य साहित्य का विकास एवं विशेषताएँ

क) नाटक

ख) निबंध

ग) समीक्षा

प्रश्न पत्र I – प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न 1 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक -15

प्रश्न 2 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक –15

प्रश्न 3 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक –15

प्रश्न 4 – टिप्पणियाँ आंतरिक विकल्प सहित अंक –15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प - 20

* लिखित प्रस्तुतीकरण -10
* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1. रामचंद्र शुक्ल : हिन्दी साहित्य का इतिहास- चौदहवाँ संस्करण-नागरी प्रचारिणी सभा काशी
2. डॉ. नगेन्द्र (सं) : हिन्दी साहित्य का इतिहास -प्रथम आवृति – मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, नई दिल्ली-201301
3- डॉ. विजयेन्द्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास –प्रथम संस्करण-साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
4-डॉ. रामकुमार वर्मा – हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- तृतीय संस्करण – रामनरायणलाल बेनीमाधव प्रकाशन, इलाहाबाद
5- डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य व संवेदना का विकास - प्रथम संस्करण-लोकभारती प्रकाशन.
6-योगेंद्र प्रताप सिंह –हिन्दी साहित्य का इतिहास और उसकी समस्याएँ – तृतीय संस्करण – वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
7-इंद्रनाथ मदान : आधुनिकता और हिन्दी उपन्यास – संस्करण – 2011- राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. दिल्ली.

T.Y.B.A. Semester VI

Title of the paper: Post Independent Hindi Literature

Paper Code: SIUAHIN62

Number of Credits: 04

Total No. of Lectures: 60

शिक्षण उद्देश्य -

1- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गीत परंपरा व उसके विकास से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

2- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंधों के विविध रूपों से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

3- हिन्दी साहित्य में गीत व निबंधों के क्रमिक विकास को स्पष्ट करना तथा गीतों व निबंधों के माध्यम से आधुनिक जीवन की समस्याओं पर विचार करना।

4-आधुनिक साहित्य की समझ व समीक्षा दृष्टि का विकास।

अधिगम निष्पत्ति –

1- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गीत व निबंधों के विविध रूप व उनके कथ्यों से विद्यार्थी अवगत होंगे।

2- स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी गीत परंपरा के विविध रूपों को विद्यार्थी समझ सकेंगे।

3- हिन्दी निबंधों के विकास एवं वैविध्य को विद्यार्थी समझ सकेंगे।

4- हिन्दी गीत व निबंध के तत्त्वों को समझकर विद्यार्थी उनका विश्लेषण कर सकेंगे ।

5-विद्यार्थियों में आधुनिक साहित्य व समीक्षा दृष्टि का विकास होगा।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक :

1. गीत-पुंज - निर्धारित आठ रचनाएँ,

संपादन –हिन्दी अध्ययन मण्डल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई,

पहला संस्करण -2017 , राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

Module 1- व्याख्यान-15

गीत – परिभाषा, तत्त्व, स्वातंत्र्योत्तर गीतिकाव्य का विकास

व्याख्या व चर्चा

गीत – परिभाषा, तत्त्व, स्वातंत्र्योत्तर गीतिकाव्य का विकास

1 - गोपालदास 'नीरज' – जीवन नहीं मरा करता है

2 - गोपाल सिंह नेपाली – सितारों ने लूटा

3 - ज्ञानवती सक्सेना – जीवन अनुभव की पुस्तक ...

Module-2-व्याख्यान-15

व्याख्या व चर्चा

1 – कुँअर बेचैन – आती-जाती साँसें दो सहेलियाँ हैं

2-बालकवि बैरागी – अपनी गंध नहीं बेचूँगा

3– बुद्धिनाथ मिश्र – आकाश सारा

4 – रमानाथ अवस्थी – असंभव

5- वीरेंद्र मिश्र – मेघयात्री

2 – निबंध-विविधा (निबंध संग्रह) - निर्धारित छ: रचनाएँ,
संपादन –हिन्दी अध्ययन मण्डल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई,
नई किताब प्रकाशन, शाहदरा दिल्ली -110032

Module-3-व्याख्यान-15

स्पष्टीकरण व चर्चा

1– बाज़ार - दर्शन – जैनेन्द्र

2- पाप के चार हथियार – कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'

3 – मनुष्य की सर्वोत्तम कृति –साहित्य –हजारीप्रसाद द्विवेदी

Module- 4- व्याख्यान-15

स्पष्टीकरण व चर्चा

1 – हिम्मत और जिंदगी – रामधारी सिंह 'दिनकर'

2 –अगर मुल्क में अख़बार न हो – नामवर सिंह

3 – आँगन का पंछी – विद्यानिवास मिश्र

4-रसायन और हमारा पर्यावरण –डॉ. एन. एल. रामनाथन

प्रश्न पत्र II – प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न 1 – संदर्भ सहित व्याख्या (दोनों पुस्तकों से आंतरिक विकल्प सहित) अंक -15

प्रश्न 2 – दीर्घोत्तरी प्रश्न (गीत-पुंज से आंतरिक विकल्प सहित) अंक –15

प्रश्न 3 – दीर्घोत्तरी प्रश्न (निबंध-विविधा से आंतरिक विकल्प सहित) अंक –15

प्रश्न 4 – टिप्पणियाँ (दोनों पुस्तकों से आंतरिक विकल्प सहित) अंक –15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प - 20

* लिखित प्रस्तुतीकरण -10

* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1–नवगीत के नये प्रतिमान – समीक्ष्य संकलन – संपादक- राधेश्याम बंधु - प्रथम संस्करण-2012 - कोणार्क प्रकाशन, बी-3/163 यमुना विहार, दिल्ली-110053.

2–गीत से नवगीत – शुभा श्रीवास्तव - प्रथम संस्करण-2007– आराधना ब्रदर्श प्रकाशन - कानपुर –208006.

3– नवगीत इतिहास और उपलब्धियाँ – सुरेश गौतम और वीणा गौतम – प्रथम संस्करण-1975 - शारदा प्रकाशन - भोपाल – 462011.

4- नवगीत एक अनवरत धारा – पार्वती गोसाई - प्रथम संस्करण-2012 – ज्ञान प्रकाशन – कानपुर – 208021.

5– हिन्दी निबंध – उद्भव और विकास – डॉ. हेतु भरद्वाज – संस्करण – 2007, पंचशील प्रकाशन फ़िल्म कॉलनी, बीसेस्वर्जी, जयपुर- 302003.

6– साहित्यिक निबंध – डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त - संस्करण – 1990 – अशोक प्रकाशन, दिल्ली – 110006.

7–हिन्दी निबंधों का विकास – ओंकारनाथ शर्मा - प्रथम संस्करण–1964-अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर -208014

8– निबंधों का शैलीगत अध्ययन – एम. बी. शाह - प्रथम संस्करण–1973-पुस्तक संस्थान, कानपुर -208014.

9– स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी में व्यंग्य – उषा शर्मा - प्रथम संस्करण–1985- आत्मा राम एंड संस प्रकाशन –दिल्ली – 110006.

T.Y.B.A. Semester VI

Title of the paper: Social Media and Hindi

Paper Code: SIUAHIN63

Number of Credits: 3.5

Total No. of Lectures: 45

शिक्षण उद्देश्य -

1- सूचना प्रौद्योगिकी के विकास व हिन्दी में उसके उपयोग से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
2- कंप्यूटर पर हिन्दी में कामकाज से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
3- संचार माध्यम और रोज़गार की संभावनाओं को स्पष्ट करना।
4- सोशल मीडिया और बदलते हुए भारतीय परिवेश की समझ का विकास करना।

अधिगम निष्पत्ति –

1- सूचना प्रौद्योगिकी के विकास व हिन्दी में उसके उपयोग से विद्यार्थी अवगत होंगे।
2- विद्यार्थी कंप्यूटर पर हिन्दी में कामकाज कर सकेंगे।
3- विद्यार्थी संचार माध्यम और हिन्दी से जुड़ी रोज़गार की संभावनाओं को जान सकेंगे।
4- विद्यार्थी में सोशल मीडिया और बदलते हुए भारतीय परिवेश की समझ विकसित होगी।
5- विद्यार्थी सोशल मीडिया के सकारात्मक व नकारात्मक पक्ष का विश्लेषण कर सकेगा।

Module 1- व्याख्यान-15

1. सोशल मीडिया का स्वरूप प्रकार और विकास
2. फेसबुक, व्हाट्सअप, ट्विटर, मेसेंजर, इंस्टाग्राम में हिन्दी, हिन्दी ब्लोगिंग, सोशल नेटवर्किंग साइट और विज्ञापन, एफ. एम. रेडियो का नया रूप और हिंदी, डबिंग और हिंदी

Module 2- व्याख्यान-10

1. सोशल मीडिया के प्रभाव (राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक प्रभाव - बच्चों , युवाओं , महिलाओं और वृद्धों के विशेष संदर्भ में)
2. मुक्त अभिव्यक्ति और सोशल मीडिया

Module 3- व्याख्यान-10

1. सोशल मीडिया में प्रयुक्त भाषा का स्वरूप
2. सोशल मीडिया और क़ानून

Module 4- व्याख्यान-10

1. सोशल मीडिया और बदलता हुआ भारतीय परिवेश
2. सोशल मीडिया की उपयोगिता, महत्व एवं उपलब्धियाँ
3. सोशल मीडिया : सीमाएँ और चुनौतियाँ

प्रश्न पत्र III - प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न -1-विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न -अंक -15

प्रश्न -2- विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न -अंक -15

प्रश्न-3- विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न -अंक -15

प्रश्न-4- टिप्पणियाँ विकल्प सहित -अंक -15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प -20

* लिखित प्रस्तुतीकरण -10
* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1-न्यू मीडिया – इंटरनेट की भाषायी चुनौतियाँ और संभावनाएँ - संपादक – आर. अनुराधा –पहला संस्करण – 2012 – राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 7/31, अंसारी मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

2- जनमाध्यमों की लेखन विधाएँ – सुस्मिता बाला - पहला संस्करण – 2011, कनिष्क पब्लिशर्स, 21 ए, अंसारी मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

3- ग्लोबल मीडिया और हिन्दी पत्रकारिता- संपादक – डॉ. हरीश अरोड़ा –पहला संस्करण –2013 –साहित्य संचय, बी- 1050, गली नं. – 14/15, पहला पुस्ता, सोनिया विहार, दिल्ली-94.

4- वेब पत्रकारिता नया मीडिया नए रुझान- शालिनी जोशी, शिवप्रसाद जोशी, पहला संस्करण – 2012 – राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, 7/31, अंसारी मार्ग, दरियागंज, दिल्ली–110002

5-इलेक्ट्रानिक मीडिया की चुनौतियाँ - संपादक – रवीन्द्र कालिया–पहला संस्करण –2010- भारतीय ज्ञानपीठ, 18–इंस्टीट्ययूशनल एरिया, लोदी रोड, दिल्ली-110003.

6-मीडिया और हिन्दी – संपादक – राजकिशोर – प्रथम संस्करण –16 दिसम्बर 2009 – किताब घर प्रकाशन 4855-56/24, अंसारी मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

T.Y.B.A. Semester VI

Title of the paper: Hindi Criticism, Prosody and Rhetorics

Paper Code: SIUAHIN64

Number of Credits: 04

Total No. of Lectures: 60

शिक्षण उद्देश्य -

1-साहित्य की परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, हेतु व प्रयोजनों को स्पष्ट करना।
2-कला व साहित्य के अंतर व सम्बन्धों पर प्रकाश डालना।
3-काव्य के विविध रूपों को स्पष्ट करना।
4-शब्दशक्ति, रस के विभिन्न पहलुओं को स्पष्ट करना।
5-छंद व अलंकारों को स्पष्ट करना।
6-गद्य साहित्य के तत्त्वों पर प्रकाश डालना।
7-काव्य शास्त्रीय साधनों के आधार पर रचनात्मकता को बढ़ावा देना।

अधिगम निष्पत्ति –1-विद्यार्थी साहित्य की परिभाषा, स्वरूप, तत्त्व, हेतु व प्रयोजनों को समझ सकेंगे।
2- विद्यार्थी कला व साहित्य के अंतर व सम्बन्धों का विश्लेषण कर सकेंगे।
3- विद्यार्थी काव्य के विविध रूपों में अंतर कर सकेंगे।
4- विद्यार्थी शब्दशक्ति के भेदों व उसके उपभेदों को समझ सकेंगे।
5- विद्यार्थी रस के विभिन्न पहलुओं को समझकर जीवन में उनका उपयोग कर सकेंगे।
6-विद्यार्थी छंद व अलंकार के भेदों को समझकर उनका प्रयोग कर सकेंगे।
7-विद्यार्थी गद्य साहित्य के तत्त्वों से परिचित होंगे व काव्य शास्त्रीय आधार पर रचनाएँ कर सकेंगे।

Module – 1 – व्याख्यान – 15

1. शब्द शक्ति : अर्थ और परिभाषा
2. शब्द शक्ति के प्रकार : अभिधा, लक्षणा एवं व्यंजना का सामान्य परिचय

Module – 2 – व्याख्यान – 15

1-रस का अर्थ तथा स्वरूप
2-रस के विविध अंग

Module – 3 – व्याख्यान – 15

1-नाटक के सामान्य तत्त्व
2-निबंध के सामान्य तत्त्व
3-कहानी के सामान्य तत्त्व
4-उपन्यास के सामान्य तत्त्व
5-आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण एवं रेखाचित्र का सामान्य परिचय

Module – 4 – व्याख्यान – 15

1-अलंकारों के लक्षण और सामान्य परिचय

(1) शब्दालंकार : 1) अनुप्रास 2) यमक 3) श्लेष 4) वीप्सा

(2) अर्थालंकार : 1) उपमा 2) रूपक 3) उत्प्रेक्षा 4) अतिशयोक्ति 5) विरोधाभास 6) भ्रांतिमान

प्रश्न पत्र IV – प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न 1 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक -15

प्रश्न 2 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक –15

प्रश्न 3 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित अंक –15

प्रश्न 4 – अलंकारों का सोदाहरण परिचय (चार में से कोई दो) । अंक –15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प - 20

* लिखित प्रस्तुतीकरण -10

* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1-रस मीमांसा –आचार्य रामचन्द्र शुक्ल –प्रथम संस्करण – नागरी प्रचारिणी सभा, काशी.

2-आधुनिक साहित्य : सृजन व समीक्षा – आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी - प्रथम संस्करण-दि मैकमिलन कंपनी लि. दिल्ली.

3- साहित्य सहचर – हजारी प्रसाद द्विवेदी – द्वितीय संस्करण – लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

4- भारतीय साहित्य शास्त्र – आचार्य बलदेव उपाध्याय – प्रथम संस्करण –नंदकिशोर एंड संस प्रा. लि. वाराणसी.

5-समीक्षा लोक –प्रा. भागीरथ दीक्षित –प्रथम संस्करण- समुदय प्रकाशन, मुम्बई.

6-भारतीय साहित्य शास्त्र – गणेश त्र्यंबक देशपांडे - प्रथम संस्करण- पॉपुलर प्रकाशन, मुम्बई

7-काव्य प्रदीप – रामबहोरी शुक्ल- 42 वां संस्करण- लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

8- समकालीन आलोचना विमर्श – अवधेश कुमार सिंह - प्रथम संस्करण-वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

T.Y.B.A. Semester VI

Title of the paper: Linguistics, Hindi Language and Grammar

Paper Code: SIUAHIN65

Number of Credits: 04

Total No. of Lectures: 60

शिक्षण उद्देश्य -

1-भाषा विज्ञान व उसके विविध अंगों को स्पष्ट करना।

2भाषा में परिवर्तन के विविध रूपों को स्पष्ट करना।

3-हिन्दी वर्ण विचार को स्पष्ट करना।

4-भाषा विज्ञान व व्याकरण की संकल्पनाओं का दैनंदिन जीवन में प्रयोग हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित करना।

अधिगम निष्पत्ति –

1-विद्यार्थी भाषा विज्ञान व उसके विविध अंगों को समझ सकेंगे।

2- विद्यार्थी भाषा परिवर्तन के कारणों व उसके विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।

3-विद्यार्थी हिन्दी वर्ण विचार व उसके अलग अलग पक्षों को समझ सकेंगे।

4-विद्यार्थी स्वर और व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण कर सकेंगे।

5- विद्यार्थी भाषा विज्ञान व व्याकरण के नियमों का दैनंदिन जीवन में प्रयोग कर सकेंगे।

Module – 1 – व्याख्यान – 15

भाषा विज्ञान

हिन्दी भाषा का स्वरूप और विकास

1. प्राचीन एवं मध्यकालीन भारातीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय -
   अ) वैदिक संस्कृत आ) लौकिक संस्कृत इ) पालि ई) प्राकृत उ) अपभ्रंश
2. हिन्दी भाषा की उत्पत्ति और विकास

Module – 2 – व्याख्यान - 15

1-हिन्दी की प्रमुख बोलियों का सामान्य परिचय -

अ) ब्रज आ) अवधी इ) भोजपुरी ई) खड़ी बोली

2-खड़ी बोली हिन्दी के विविध रूप --

अ) हिंदी आ) उर्दू इ) दक्खिनी ई) हिन्दुस्तानी

Module – 3 – व्याख्यान - 15

1-हिन्दी का शब्द समूह

2-देवनागरी लिपि : महत्त्व एवं विशेषताएँ

Module – 4 – व्याख्यान - 15

हिन्दी व्याकरण :

1-वाक्य रचना –

1) वाक्य की परिभाषा तथा अर्थ और रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार

2) हिन्दी वाक्य रचना में पदक्रम और अध्याहार संबंधी सामान्य नियम ।

2-समास एवं संधि -

1) समास : अर्थ स्वरूप तथा प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय
2) संधि : अर्थ स्वरूप तथा प्रमुख भेदों का सामान्य परिचय

प्रश्न पत्र V – प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न 1 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित — अंक -15

प्रश्न 2 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित — अंक –15

प्रश्न 3 – दीर्घोत्तरी प्रश्न आंतरिक विकल्प सहित — अंक –15

प्रश्न 4 – टिप्पणियाँ आंतरिक विकल्प सहित — अंक –15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा

20

2-प्रकल्प -

20

* लिखित प्रस्तुतीकरण -10
* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1- भाषाविज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी – प्रथम संस्करण- शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली.

2-भाषा शास्त्र की रूप रेखा – डॉ. उदय नारायण तिवारी - प्रथम संस्करण-भारती भंडार, इलाहाबाद.

3-भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र – डॉ. कपिल देव द्विवेदी – 14 वां संस्करण-विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.

4-तुलनात्मक भाषाविज्ञान- पी डी गुणे (अनुवाद - डॉ. भोलानाथ तिवारी) -प्रथम संस्करण –मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली.

5-हिन्दी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरु – नया संस्करण, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी.

6–हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी - प्रथम संस्करण- किताब महल, इलाहाबाद.

T.Y.B.A. Semester VI

Title of the paper: Ideological Background of Modern Hindi Literature

Paper Code: SIUAHIN66

Number of Credits: 3.5

Total No. of Lectures: 45

शिक्षण उद्देश्य -

1- आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि को स्पष्ट करना।

2- आर्य समाज के सामाजिक दार्शनिक सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को उस मार्ग पर चलने के लिए मार्गदर्शन देना।

3- मार्क्सवाद, दलित चेतना एवं मनोविश्लेषणवाद के माध्यम से विद्यार्थियों में जागरूकता लाना।

4- राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिन्दी पत्र पत्रिकाओं के योगदान से विद्यार्थियों को अवगत कराना।

अधिगम निष्पत्ति –

1- विद्यार्थी आधुनिक हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचित होगा।

2- विद्यार्थी ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, रामकृष्ण मिशन, थियोसोफिकल सोसाइटी, सत्यशोधक समाज व आर्य समाज के सामाजिक- दार्शनिक सिद्धान्त को समझकर अपने जीवन में उनका प्रयोग कर सकेगा।

3- विद्यार्थी मार्क्सवाद, दलित चेतना एवं मनोविश्लेषणवाद के मूलभूत सिद्धांतों को समझकर उनका अपने जीवन में प्रयोग कर सकेगा।

4- विद्यार्थी राष्ट्रीय चेतना के विकास में हिन्दी पत्र पत्रिकाओं के योगदान से परिचित होगा।

Module – 1 – व्याख्यान - 10

1- मनोविश्लेषणवाद व उसका हिन्दी उपन्यासों पर प्रभाव

Module – 2 – व्याख्यान - 10

1-दलित चेतना : हिन्दी कविता तथा कथा साहित्य पर प्रभाव

Module – 3 – व्याख्यान - 10

1-समकालीन कथा साहित्य में आदिवासी विमर्श

Module – 4– व्याख्यान – 15

1-स्वातंत्र्योत्तर जन चेतना और हिन्दी पत्रकारिता

(धर्मयुग, आलोचना, हंस, कथादेश, इंडिया टुडे, आज, नवभारत टाइम्स तथा नया ज्ञानोदय के विशेष संदर्भ में)

प्रश्न पत्र VI के प्रश्न पत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन का विवरण

(60:20:20)

सत्रांत परीक्षा – कुल अंक - 60

प्रश्न पत्र का प्रारूप –

प्रश्न -1-विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न - अंक -15
प्रश्न -2- विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न - अंक -15
प्रश्न-3- विकल्प सहित दीर्घोत्तरी प्रश्न - अंक -15
प्रश्न-4- टिपप्पणियाँ विकल्प सहित - अंक -15

आंतरिक मूल्यांकन : कुल अंक : 40

1-कक्ष परीक्षा 20

2-प्रकल्प - 20
* लिखित प्रस्तुतीकरण -10
* मौखिकी -10

संदर्भ ग्रंथ-सूची :

1-दलित साहित्य का समाजशास्त्र –हरिनारायण ठाकुर- पहला संस्करण-2011–भारतीय ज्ञानपीठ,18–इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, दिल्ली-110003.

2- आधुनिक सामाजिक मनोविज्ञान के मूल तत्व – सरयू प्रसाद चौबे -पहला संस्करण -2002 –कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली-110059.

3-हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा – रामदरश मिश्र- संस्करण - 2008 –राजकमल प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

4-आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य और मनोविज्ञान- डॉ. देवराज उपाध्याय – पहला संस्करण - 1963- साहित्य भवन – आगरा– 282002.

5-हिन्दी उपन्यास में दलित वर्ग – कुसुम मेघवाल –- पहला संस्करण - 1989- संघी प्रकाशन, जयपुर – 302017.

6-आदिवासी शौर्य और विद्रोह- सं. रमणिका गुप्ता- पहला संस्करण - 2016 – राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

7-आदिवासी साहित्य यात्रा - सं. रमणिका गुप्ता - पहला संस्करण - 2008 – राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड 1–बी, नेताजी सुभाष मार्ग, दरियागंज, दिल्ली-110002.

8-हिन्दी पत्रकारिता – डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र - संस्करण -2011 –भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली-110003.

9-भारतीय पत्रकारिता कोश- विजय दत्त श्रीधर- संस्करण-2008-वाणी प्रकशन-21-A–दरियागंज, नई दिल्ली - 110002.